नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विवि में विनोबा दर्शन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

वर्धा, 4 फरवरी 2018: भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में विनोबा दर्शन विषय पर 5-7 फरवरी को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हिंदी विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विनोबा के सेक्रेटरी रहे श्री बालविजय जी, प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक प्रो. रामजी सिंह, पवनार आश्रम, वर्धा के श्री गौतम बजाज, प्रो. नन्दकिशोर आचार्य, प्रो. गीता मेहता, राधाबहन भट्ट, प्रो. सुदर्शन अयंगार, प्रो. चंद्रकांत रागीट, प्रो. अनिल कुमार राय, डॉ.गिरीश जानी, प्रो. सोहनराज तातेड, डॉ. पराग चोलकर, डॉ. मिलिंद बोकिल, डॉ. पुष्पेन्द्र दुबे, प्रो.मनोज कुमार, प्रो.नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, सुश्री उषा वोरा, डॉ. शर्मिला वीरकर, सुश्री प्रवीण देसाई, सुश्री कंचन बहन, डॉ. तबस्सुम शेख, डॉ.थॉमस चिराप्पुरथ, डॉ. रोड्रिक चर्च एवं डॉ. हेमा मोरे सहित कुल 38 प्रतिभागी अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम में कुल आठ प्रमुख सत्र एवं दो समानान्तर सत्र रखे गए हैं। उद्घाटन एवं समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा करेंगे। कार्यक्रम की प्रस्तावना संगोष्ठी संयोजक प्रो. गीता मेहता द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित विनोबा संचयिता का लोकार्पण भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील कुलसचिव कादर नवाज खान द्वारा की गई है।

हिंदी विश्वविद्यालयात विनोबा तत्वज्ञानावर राष्ट्रीय चर्चासत्र

वर्धा, 4 फेब्रुवारी 2018: भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नवी दिल्ली व महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा यांच्या संयुक्त
विद्यमाने

विनोबांचे तत्वज्ञान या दर्शन या विषयावर 5 ते 7 फेब्रुवारी दरम्यान राष्ट्रीय चर्चासत्राचे आयोजन हिंदी विश्वविद्यालय करण्यात येत आहे. या चर्चासत्रात विनोबांचे सचिव बालविजय जी, प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक प्रो. रामजी सिंह, पवनार आश्रम, वर्धाचे श्री गौतम बजाज, प्रो. नन्दकिशोर आचार्य, प्रो. गीता मेहता, राधाबहन भट्ट, प्रो. सुदर्शन अयंगार, प्रो. चंद्रकांत रागीट, प्रो. अनिल कुमार राय, डॉ.गिरीश जानी, प्रो. सोहनराज तातेड, डॉ. पराग चोलकर, डॉ. मिलिंद बोकिल, डॉ. पुष्पेन्द्र दुबे, प्रो.मनोज कुमार, प्रो.नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, सुश्री उषा वोरा, डॉ. शर्मिला वीरकर, सुश्री प्रवीण देसाई, सुश्री कंचन बहन, डॉ.

तबस्सुम शेख, डॉ.थॉमस चिराप्पुरथ, डॉ. रोड्रिक चर्च, डॉ. हेमा मोरे यांच्या सह 38 विद्वान वक्ते आपले विचार मांडतील. उदघाटन आणि समारोप सत्र विश्वविद्यालयाचे प्रकुलगुरु प्रो. आनंद वर्धन शर्मा यांच्या अध्यक्षतेखाली होईल. कार्यक्रमाची प्रस्तावना संयोजक प्रो. गीता मेहता मांडतील. यावेळी विश्वविद्यालया द्वारे प्रकाशित विनोबा संचयिताचे लोकार्पण करण्यात येईल. या चर्चासत्राला उपस्थित राहण्याचे आवाहन कुलसचिव कादर नवाज खान यांनी केले आहे.